वर्ष 1991 में गिरवी रखा गया सोना

*234. डा० जिनेन्द्र कुमार जैन :
श्री वीरेन जे० शाह :

क्या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि जुलाई 1991 में विदेशी बैंकों में देश का सोना गिरवी रखा गया था ;

(ख) यदि हां, तो क्या यह भी सच है कि इस गिरवी रखे गए सोने की मात्रा भारतीय रिजर्व बैंक के पास रखे सोने की कुल मात्रा का लगभग 18 प्रति शत थी ;

(ग) यदि नहीं, तो इस संबंध में तथ्य क्या है ;

(घ) क्या यह भी सच है कि इस होने को गिरवी रखकर प्राप्त की गई विदेशी मुद्रा का भुगतान कर दिया गया है ;

(ङ) यदि हां, तो यह भुगतान कब किया गया और इन ऋणों पर ब्याज के रूप में कुल कितनी राशि का भुगतान किया गया ;

(च) क्या ऋण राशि के भुगतान के बाद भी गिरवी रखा गया सोना वापस नहीं लिया गया है ; और

(छ) यदि नहीं, तो यह सोना भारत में कब वापस लाया गया और इसे लाने में कुल कितनी राशि खर्च की गई और 'सुरक्षा बीमा' तथा लाने-ले जाने इत्यादि पर खर्च की गई राशि का ब्यौरा क्या है ?

वित्त मंत्रालय में राज्य मंत्री (डा० अबरार अहमद) : (क) से (ग) जुलाई, 1991 में भारतीय रिजर्व बैंक ने अपनी स्वर्ण धारिता में से बैंक आफ इंगलैंड को 46.91 टन सोना स्थानांतरित किया ताकि उसके बदले में बैंक आफ इंगलैंड और बैंक आफ जापान से ऋण मिल सके । 30-08-91 की स्थिति के अनुसार इस प्रकार स्थानांतरित सोना भारतीय रिजर्व बैंक को कुल स्वर्ण धारिता का 14.04 प्रतिशत बैठता है ।

(घ) और (ङ) गिरवी रखे गए सोने के बदले भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा लिया गया ऋण 1 नवम्बर, 1991 तक पूरी तरह वापिस अदा कर दिया गया था । इन ऋणों पर ब्याज के रूप में अदा की गयी कुल राशि 8.90 मिलियन अमरीकी डालर के बराबर थी ।

(च) और (छ) उक्त ऋण सोने के ऋणाधार के बदले लिए गए थे और जब ऋण वापस अदा कर दिए गए तो ऋणाधार समाप्त हो गया । सोने को भारत वापस नहीं लाया गया है । सोने की भारतीय रिजर्व बैंक की स्वर्ण धारिता पर आय अर्जित करने की दृष्टि से अल्पावधि ब्याज धारक निक्षेपों के रूप में रखा गया है । ऐसा विदेशी आरक्षित भण्डारों के प्रबंधन की नीति के एक भाग के रूप में किया गया है ।

Uniform duty on filament yarns

*235. SHRI CHIMANBHAI MEHTA:
SHRI SUBRAMANIAN SWAMY:

Will the Minister of FINANCE be pleased to state:

(a) why uniform ad valorem duty is not levied on all the filament yarns including PFY, NFY, VFY, as has been done in case of fibres;

(b) whether it is a fact that only one industrial house is producing 80 per cent VFY and VSF;

(c) whether VSF imports are restricted; if so, why;

(d) what is the expected accrual of excise from PFY, NFY and VFY in the year 1994-95 separately;